

याची वतम भतियों ही एकायता है निर्धारित पाठ स्थीर पाठांतर द्वार

वंशक साराप्रसाद गुप्त, एस ० ए०, डी० लिट्र लेक्चरर, हिंदी विभाग प्रयाम विश्वविद्यालय

> मकाराक साहित्य कुटीर, प्रयाग